NCERT Archive

SOLUTIONS BOOK

CLASS 6

Sanskrit · Deepakam

CHAPTER 16

वृक्षाः सत्पुरुषाः इव

Complete Exercise Solutions · सम्पूर्ण अभ्यास-समाधान

वयम् अभ्यासं कुर्मः | योग्यताविस्तरः | परियोजनाकार्यम्

Contents

Class 6 Sanskrit · Deepakam · Chapter 16 — वृक्षाः सत्पुरुषाः इव

EX
वयम् अभ्यासं कुर्मः
8 questions · Q1 Q2 Q3 Q4 Q5 Q6 Q7 Q8
3

EN
योग्यताविस्तरः
1 question · Q1
12

PR
परियोजनाकार्यम्
2 questions · Q1 Q2
13

Every question is followed by its answer. Question numbers above are clickable and the PDF bookmarks panel lets you jump to any exercise set or question.

The word-meaning table of the lesson (p. 164) already gives Hindi and English meanings; its column “मातृभाषया अर्थं लिखन्तु” is for each student’s own mother tongue.

हिन्दी: प्रत्येक प्रश्न के बाद उसका उत्तर दिया गया है। ऊपर प्रश्न-संख्याओं पर क्लिक करके सीधे वहाँ जाया जा सकता है। पाठ की शब्दार्थ-तालिका (पृ. 164) में हिन्दी और अंग्रेज़ी अर्थ पहले से दिए हैं; “मातृभाषया अर्थं लिखन्तु” स्तम्भ प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी मातृभाषा के लिए है।

NCERT Archive

EX

CLASS 6 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 16

वयम् अभ्यासं कुर्मः

Solutions · 8 questions · समाधान · ८ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

१. पाठे लिखितानि सुभाषितानि सस्वरं पठन्तु, अवगच्छन्तु, लिखन्तु स्मरन्तु च।

ANSWER उत्तर

(क) छायामन्यस्य कुर्वन्ति तिष्ठन्ति स्वयमातपे।
फलान्यपि परार्थाय वृक्षाः सत्पुरुषा इव ॥

p. 161 (Trees stand in the sun themselves but give shade to others, and give even their fruits for the sake of others — so trees are like noble people.)

हिन्दी: वृक्ष स्वयं धूप में खड़े रहते हैं, पर दूसरों को छाया देते हैं और फल भी दूसरों के लिए देते हैं; इसलिए वे सज्जनों के समान हैं।

(ख) दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रदः।
दशह्रदसमः पुत्रः दशपुत्रसमो द्रुमः ॥

p. 161 (One stepwell equals ten wells; one lake equals ten stepwells; one son equals ten lakes; one tree equals ten sons.)

हिन्दी: एक बावड़ी दस कुओं के समान, एक सरोवर दस बावड़ियों के समान, एक पुत्र दस सरोवरों के समान और एक वृक्ष दस पुत्रों के समान है।

(ग) अहो एषां वरं जन्म सर्वप्राण्युपजीवनम्।
सुजनस्येव येषां वै विमुखा यान्ति नार्थिनः ॥

p. 162 (Ah! The birth of these trees is the best — it supports all living beings; like a good person, they never send away those who ask.)

हिन्दी: अहो! इन वृक्षों का जन्म श्रेष्ठ है, यह सब प्राणियों का आधार है; सज्जन की तरह इनसे याचक निराश होकर नहीं लौटते।

(घ) परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः परोपकाराय वहन्ति नद्यः।
परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थमिदं शरीरम् ॥

p. 162 (Trees bear fruit for others, rivers flow for others, cows give milk for others — this body too is for helping others.)

हिन्दी: वृक्ष परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं, गायें परोपकार के लिए दूध देती हैं; यह शरीर भी परोपकार के लिए है।

NCERT Archive

(ङ) पुष्प-पत्र-फलच्छाया-मूल-वल्कल-दारुभिः ।
धन्या महीरुहा येषां विमुखा यान्ति नार्थिनः ॥

p. 163 (Blessed are the trees from whom those who ask never turn away disappointed — they give flowers, leaves, fruits, shade, roots, bark and wood.)

हिन्दी: वे वृक्ष धन्य हैं जिनके पास से याचक पुष्प, पत्र, फल, छाया, मूल, वल्कल और लकड़ी पाकर निराश नहीं लौटते ।

(च) पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः ।
नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहाः परोपकाराय सतां विभूतयः ॥

p. 163 (Rivers do not drink their own water, trees do not eat their own fruits, clouds do not eat the crops — the wealth of good people is for helping others.)

हिन्दी: नदियाँ अपना जल स्वयं नहीं पीतीं, वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते, बादल (वर्षा से उत्पन्न) अन्न नहीं खाते; सज्जनों की सम्पत्ति परोपकार के लिए होती है ।

Practice: read each subhāṣita aloud with correct pronunciation, understand it with the help of the पदच्छेदः, अन्वयः and भावार्थः given in the lesson, write it neatly and memorise it.

हिन्दी: प्रत्येक सुभाषित को शुद्ध उच्चारण के साथ ज़ोर से पढ़ें, पाठ में दिए पदच्छेद, अन्वय और भावार्थ की सहायता से अर्थ समझें, सुन्दर लिखें और याद करें ।

QUESTION 2 प्रश्न 2

२. पाठस्य आधारेण अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु —

(क) वृक्षाः स्वयं कुत्र तिष्ठन्ति ?

(ख) परोपकाराय काः वहन्ति ?

(ग) दशवापीसमः कः भवति ?

(घ) सत्पुरुषाः इव के सन्ति ?

(ङ) अर्थिनः केभ्यः विमुखाः न यान्ति ?

(च) वृक्षाः स्वयं कानि न खादन्ति ?

ANSWER उत्तर

(क) आतपे

In the sunlight · धूप में

p. 161 — “तिष्ठन्ति स्वयमातपे”

(ख) नद्यः

Rivers · नदियाँ

p. 162 — “परोपकाराय वहन्ति नद्यः”

NCERT Archive

(ग) ह्रदः
Lake / pond · सरोवर, झील
p. 161 — "दशवापीसमो ह्रदः"

(घ) वृक्षाः
Trees · वृक्ष (पेड़)
p. 161 — "वृक्षाः सत्पुरुषा इव"

(ङ) वृक्षेभ्यः (महीरुहेभ्यः)
From the trees · वृक्षों से
p. 163 — "धन्या महीरुहा येषां विमुखा यान्ति नार्थिनः"

(च) फलानि
Fruits · फल
p. 163 — "स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः"

(क) आतपे · (ख) नद्यः · (ग) ह्रदः · (घ) वृक्षाः · (ङ) वृक्षेभ्यः · (च) फलानि

QUESTION 3 प्रश्न 3

३. पाठस्य आधारेण अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखन्तु —

(क) नद्यः किं न पिबन्ति ?

(ख) वृक्षाः अस्मभ्यं किं किं यच्छन्ति ?

(ग) इदं शरीरं किमर्थम् अस्ति ?

(घ) दशपुत्रसमः कः भवति ?

(ङ) केषां विभूतयः परोपकाराय भवन्ति ?

(च) अन्यस्य छायां के कुर्वन्ति ?

ANSWER उत्तर

(क) नद्यः अम्भः (स्वीयं जलं) स्वयं न पिबन्ति।
p. 163 (Rivers do not drink their own water themselves.)
हिन्दी: नदियाँ अपना जल स्वयं नहीं पीतीं।

NCERT Archive

(ख) वृक्षाः अस्मभ्यं पुष्पाणि, पत्राणि, फलानि, छायां, मूलानि, वल्कलानि काष्ठानि च यच्छन्ति ।

p. 163 (Trees give us flowers, leaves, fruits, shade, roots, bark and wood.)

हिन्दी: वृक्ष हमें फूल, पत्ते, फल, छाया, जड़ें, छाल और लकड़ी देते हैं ।

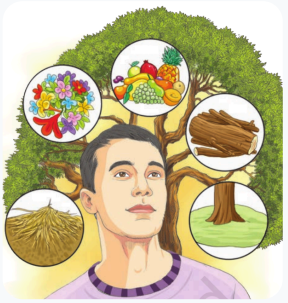

Illustration from the lesson · पाठ से चित्र (p. 163)

(ग) इदं शरीरं परोपकारार्थम् अस्ति ।

p. 162 (This body is for the sake of helping others.)

हिन्दी: यह शरीर परोपकार के लिए है ।

(घ) दशपुत्रसमः द्रुमः (वृक्षः) भवति ।

p. 161 (A tree is equal to ten sons.)

हिन्दी: वृक्ष दस पुत्रों के समान होता है ।

(ङ) सतां (सज्जनानां) विभूतयः परोपकाराय भवन्ति ।

p. 163 (The wealth of good people is for helping others.)

हिन्दी: सज्जनों की सम्पत्तियाँ परोपकार के लिए होती हैं ।

(च) वृक्षाः अन्यस्य छायां कुर्वन्ति ।

p. 161 (Trees provide shade for others.)

हिन्दी: वृक्ष दूसरों के लिए छाया करते हैं ।

NCERT Archive

QUESTION 4 प्रश्न 4

४. पट्टिकातः उचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु —

तिष्ठन्ति | सुजनस्येव | विभूतयः | वृक्षाः | फलानि | दशपुत्रसमः | परोपकारार्थम्

यथा – छायामन्यस्य कुर्वन्ति तिष्ठन्ति स्वयमातपे ।

(क) फलान्यपि परार्थाय ..... सत्पुरुषा इव ।

(ख) दशह्रदसमः पुत्रः ..... द्रुमः ।

(ग) ..... येषां वै विमुखा यान्ति नार्थिनः ।

(घ) ..... इदं शरीरम् ।

(ङ) स्वयं न खादन्ति ..... वृक्षाः ।

(च) परोपकाराय सतां ..... ।

ANSWER उत्तर

(क) फलान्यपि परार्थाय **वृक्षाः** सत्पुरुषा इव ।
Word chosen: Trees · वृक्ष
p. 161 — verse completed from the lesson

(ख) दशह्रदसमः पुत्रः **दशपुत्रसमः** द्रुमः ।
Word chosen: Equal to ten sons · दस पुत्रों के समान
p. 161 — verse completed from the lesson

(ग) **सुजनस्येव** येषां वै विमुखा यान्ति नार्थिनः ।
Word chosen: Like a good person · सज्जन की तरह
p. 162 — verse completed from the lesson

(घ) **परोपकारार्थम्** इदं शरीरम् ।
Word chosen: For the sake of helping others · परोपकार के लिए
p. 162 — verse completed from the lesson

(ङ) स्वयं न खादन्ति **फलानि** वृक्षाः ।
Word chosen: Fruits · फल
p. 163 — verse completed from the lesson

(च) परोपकाराय सतां **विभूतयः** ।
Word chosen: Wealth / prosperity · सम्पत्तियाँ
p. 163 — verse completed from the lesson

NCERT Archive

QUESTION 5 प्रश्न 5

५. उदाहरणानुसारम् अधोलिखितेषु वाक्येषु स्थूलाक्षरपदानां विभक्तिं निर्दिशन्तु —

(क) वृक्षाः अन्यस्य कृते छायां कुर्वन्ति । – द्वितीया विभक्तिः

(ख) वृक्षाः परार्थाय फलानि यच्छन्ति ।

(ग) वृक्षाः सत्पुरुषाः इव सन्ति ।

(घ) द्रुमः दशसन्तानसमः भवति ।

(ङ) वृक्षः प्राणिभ्यः काष्ठानि यच्छति ।

(च) नद्यः जलं स्वयमेव न पिबन्ति ।

(छ) सज्जनानां सङ्गतिं करोतु ।

ANSWER उत्तर

(क) द्वितीया विभक्तिः

छायाम् · Second case (accusative), singular — object of कुर्वन्ति

हिन्दी: कर्म (क्या करते हैं? — छाया) · द्वितीया, एकवचन — given in the book as the example · पुस्तक में उदाहरण के रूप में दिया है

(ख) द्वितीया विभक्तिः

फलानि · Second case (accusative), plural — object of यच्छन्ति

हिन्दी: कर्म (क्या देते हैं? — फल) · द्वितीया, बहुवचन

(ग) प्रथमा विभक्तिः

सत्पुरुषाः · First case (nominative), plural — completes the sense of सन्ति

हिन्दी: वृक्षाः की तुलना वाला पद (सत्पुरुषाः इव सन्ति) · प्रथमा, बहुवचन

(घ) प्रथमा विभक्तिः

द्रुमः · First case (nominative), singular — subject of भवति

हिन्दी: कर्ता (कौन होता है? — द्रुमः) · प्रथमा, एकवचन

(ङ) चतुर्थी विभक्तिः

प्राणिभ्यः · Fourth case (dative), plural — to whom (the receivers) it is given

हिन्दी: जिन्हें दिया जाता है — प्राणियों के लिए · चतुर्थी, बहुवचन

(च) प्रथमा विभक्तिः

नद्यः · First case (nominative), plural — subject of पिबन्ति

हिन्दी: कर्ता (कौन नहीं पीतीं? — नद्यः) · प्रथमा, बहुवचन

(छ) द्वितीया विभक्तिः

सङ्गतिम् · Second case (accusative), singular — object of करोतु

हिन्दी: कर्म (क्या करे? — सङ्गति) · द्वितीया, एकवचन

NCERT Archive

QUESTION 6 प्रश्न 6

६. अधोलिखितानां पदानां द्विवचने बहुवचने च रूपाणि लिखन्तु —
(क) वृक्षः (ख) मेघः (ग) ह्रदः (घ) सत्पुरुषः (ङ) छाया
(च) वापी (छ) नदी (ज) शरीरम् (झ) पुष्पम्

ANSWER उत्तर

(क) वृक्षः → द्विवचनम्: **वृक्षौ** · बहुवचनम्: **वृक्षाः**
Nominative (प्रथमा) dual · plural — given in the book as the example · पुस्तक में उदाहरण के रूप में दिया है

(ख) मेघः → द्विवचनम्: **मेघौ** · बहुवचनम्: **मेघाः**
Nominative (प्रथमा) dual · plural

(ग) ह्रदः → द्विवचनम्: **ह्रदौ** · बहुवचनम्: **ह्रदाः**
Nominative (प्रथमा) dual · plural

(घ) सत्पुरुषः → द्विवचनम्: **सत्पुरुषौ** · बहुवचनम्: **सत्पुरुषाः**
Nominative (प्रथमा) dual · plural

(ङ) छाया → द्विवचनम्: **छाये** · बहुवचनम्: **छायाः**
Nominative (प्रथमा) dual · plural

(च) वापी → द्विवचनम्: **वाप्यौ** · बहुवचनम्: **वाप्यः**
Nominative (प्रथमा) dual · plural

(छ) नदी → द्विवचनम्: **नद्यौ** · बहुवचनम्: **नद्यः**
Nominative (प्रथमा) dual · plural

(ज) शरीरम् → द्विवचनम्: **शरीरे** · बहुवचनम्: **शरीराणि**
Nominative (प्रथमा) dual · plural

(झ) पुष्पम् → द्विवचनम्: **पुष्पे** · बहुवचनम्: **पुष्पाणि**
Nominative (प्रथमा) dual · plural

All forms are in the first case (प्रथमा). The neuter words शरीरम् and पुष्पम् take -ए in the dual and -आणि in the plural.
हिन्दी: सभी रूप प्रथमा विभक्ति के हैं। नपुंसकलिङ्ग शब्द शरीरम् और पुष्पम् के द्विवचन में "-ए" तथा बहुवचन में "-आणि" लगता है।

NCERT Archive

QUESTION 7 प्रश्न 7

७. अधोलिखितानां पदानां परस्परं समुचितं मेलनं कृत्वा 'कः किं ददाति' इति लिखन्तु —

(क) वृक्षः	**दुग्धं**
(ख) गौः	**प्रकाशं**
(ग) सूर्यः	**विद्यां**
(घ) नदी	**शुद्धं वायुं**
(ङ) अग्निः	**जलम्**
(च) शिक्षकः	**तापं**

यथा – वृक्षः शुद्धं वायुं ददाति ।

ANSWER उत्तर

(क) वृक्षः शुद्धं वायुं ददाति ।
The tree gives pure air. · वृक्ष शुद्ध वायु देता है। — given in the book as the example · पुस्तक में उदाहरण के रूप में दिया है

(ख) गौः दुग्धं ददाति ।
The cow gives milk. · गाय दूध देती है।

(ग) सूर्यः प्रकाशं ददाति ।
The sun gives light. · सूर्य प्रकाश देता है।

(घ) नदी जलं ददाति ।
The river gives water. · नदी जल देती है।

(ङ) अग्निः तापं ददाति ।
Fire gives heat. · अग्नि ताप देती है।

(च) शिक्षकः विद्यां ददाति ।
The teacher gives knowledge. · शिक्षक विद्या देता है।

Each word on the right is used once: वृक्षः–शुद्धं वायुम् · गौः–दुग्धम् · सूर्यः–प्रकाशम् · नदी–जलम् · अग्निः–तापम् · शिक्षकः–विद्याम्.
हिन्दी: दाहिने स्तम्भ का प्रत्येक शब्द एक बार प्रयुक्त होता है।

NCERT Archive

QUESTION 8 प्रश्न 8

८. अधोलिखितानां क्रियापदानां लट्लकारे प्रथमपुरुषस्य रूपाणि लिखन्तु —
कुर्वन्ति – करोति, कुरुतः, कुर्वन्ति
(क) तिष्ठन्ति (ख) फलन्ति (ग) यान्ति (घ) पिबन्ति (ङ) खादन्ति

ANSWER उत्तर

यथा कुर्वन्ति → **करोति · कुरुतः · कुर्वन्ति**
एकवचनम् · द्विवचनम् · बहुवचनम् (लट्लकारः, प्रथमपुरुषः) — does · करता है — given in the book as the example · पुस्तक में उदाहरण के रूप में दिया है

(क) तिष्ठन्ति → **तिष्ठति · तिष्ठतः · तिष्ठन्ति**
एकवचनम् · द्विवचनम् · बहुवचनम् (लट्लकारः, प्रथमपुरुषः) — stands · खड़ा होता है / ठहरता है

(ख) फलन्ति → **फलति · फलतः · फलन्ति**
एकवचनम् · द्विवचनम् · बहुवचनम् (लट्लकारः, प्रथमपुरुषः) — bears fruit · फलता है

(ग) यान्ति → **याति · यातः · यान्ति**
एकवचनम् · द्विवचनम् · बहुवचनम् (लट्लकारः, प्रथमपुरुषः) — goes · जाता है

(घ) पिबन्ति → **पिबति · पिबतः · पिबन्ति**
एकवचनम् · द्विवचनम् · बहुवचनम् (लट्लकारः, प्रथमपुरुषः) — drinks · पीता है

(ङ) खादन्ति → **खादति · खादतः · खादन्ति**
एकवचनम् · द्विवचनम् · बहुवचनम् (लट्लकारः, प्रथमपुरुषः) — eats · खाता है

तिष्ठति – तिष्ठतः – तिष्ठन्ति · फलति – फलतः – फलन्ति · याति – यातः – यान्ति · पिबति – पिबतः – पिबन्ति · खादति – खादतः – खादन्ति

NCERT Archive

EN

CLASS 6 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 16

योग्यताविस्तरः

Solutions · 1 question · समाधान · १ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

अधोलिखितां प्रहेलिकां पठित्वा उत्तरं वदन्तु —

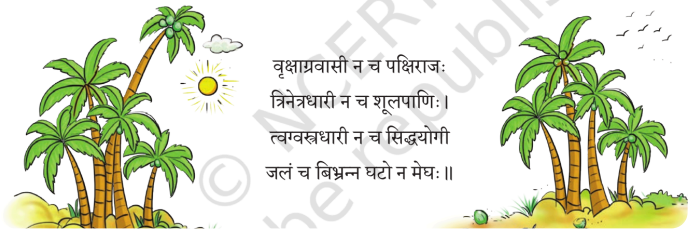

ANSWER उत्तर

उत्तरम् **नारिकेलम्**

Coconut · नारियल — the riddle describes the coconut · प्रहेलिका का उत्तर नारियल है

p. 167 — riddle (प्रहेलिका) of the lesson

(१) **वृक्षाग्रवासी न च पक्षिराजः**

Lives at the top of a tree, yet is not Garuḍa, the king of birds — the coconut grows at the top of the palm tree.

हिन्दी: वृक्ष के ऊपर रहता है, पर गरुड़ (पक्षिराज) नहीं है — नारियल ताड़-वृक्ष के शिखर पर लगता है।

(२) **त्रिनेत्रधारी न च शूलपाणिः**

Has three “eyes”, yet is not Śiva (the trident-bearer) — a coconut shows three eye-like spots.

हिन्दी: तीन नेत्र वाला है, पर शिव (शूलपाणि) नहीं है — नारियल पर तीन आँख जैसे चिह्न होते हैं।

(३) **त्वग्वस्त्रधारी न च सिद्धयोगी**

Wears bark/fibre as clothing, yet is not an accomplished yogī — the coconut is covered with a fibrous husk.

हिन्दी: छाल/रेशे के वस्त्र पहनता है, पर सिद्ध योगी नहीं है — नारियल रेशेदार छिलके से ढका होता है।

(४) **जलं च बिभ्रन्न घटो न मेघः**

Holds water, yet is neither a pot nor a cloud — the coconut holds sweet water inside.

हिन्दी: जल धारण करता है, पर न घड़ा है, न बादल — नारियल के अन्दर मीठा जल होता है।

© NCERT not to be republished
NCERT Archive

PR

CLASS 6 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 16

परियोजनाकार्यम्

Solutions · 2 questions · समाधान · २ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

१. विद्यालयं गृहं वा परितः विद्यमानानां पञ्च-पादपानां (वृक्षाणां) संरक्षणं कुर्वन्तु ।

ANSWER उत्तर

(१) पञ्च वृक्षान् चिनुत ।

Choose five trees growing around your school or home.

हिन्दी: अपने विद्यालय या घर के आसपास के पाँच वृक्ष चुनें ।

(२) वृक्षाणां नामानि लिखत ।

Find out and write the name of each tree and observe what it gives us (shade, flowers, fruits, wood, etc.).

हिन्दी: प्रत्येक वृक्ष का नाम पता करके लिखें और देखें कि वह हमें क्या-क्या देता है (छाया, फूल, फल, लकड़ी आदि) ।

(३) वृक्षान् जलेन सिञ्चत ।

Water the trees regularly and look after them.

हिन्दी: वृक्षों को नियमित रूप से पानी दें और उनकी देखभाल करें ।

(४) वृक्षान् रक्षत ।

Protect the trees from harm; do not break branches or pluck leaves and flowers without need.

हिन्दी: वृक्षों को हानि से बचाएँ; बिना आवश्यकता टहनियाँ न तोड़ें, पत्ते-फूल न तोड़ें ।

(५) स्वानुभवान् लिखत ।

Keep a short record (date, tree, care given, observation) and present it in class.

हिन्दी: एक छोटा विवरण (तिथि, वृक्ष, की गई देखभाल, अवलोकन) रखें और कक्षा में प्रस्तुत करें ।

(६) अहं पञ्च वृक्षान् रक्षामि । अहं वृक्षान् जलेन सिञ्चामि ।
वृक्षाः अस्मभ्यं छायां फलानि च यच्छन्ति । वयं वृक्षारोपणं कुर्मः ।
वृक्षाः सत्पुरुषाः इव सन्ति ।

Sample Sanskrit sentences for the class presentation (I protect five trees · I water the trees · Trees give us shade and fruits · We plant trees · Trees are like noble people).

हिन्दी: कक्षा-प्रस्तुति के लिए संस्कृत वाक्य (पाठ की शब्दावली से) ।

NCERT Archive

Project activity — answers will vary with the trees chosen; the steps above are the model response.

हिन्दी: यह परियोजना-कार्य है, उत्तर चुने गए वृक्षों के अनुसार भिन्न होंगे; ऊपर दिए चरण आदर्श उत्तर हैं।

QUESTION 2 प्रश्न 2

२. अन्तर्जालस्य साहाय्येन परोपकारविषये दश-सुभाषितानां संग्रहणं कुर्वन्तु ।

ANSWER उत्तर

(1) परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम् ॥

Helping others brings merit; harming others brings sin.

हिन्दी: परोपकार से पुण्य और दूसरों को पीड़ा देने से पाप होता है।

(2) आत्मार्थं जीवलोकेऽस्मिन् को न जीवति मानवः।
परं परोपकारार्थं यो जीवति स जीवति ॥

In this world who does not live for himself? He truly lives who lives for the good of others.

हिन्दी: इस संसार में अपने लिए कौन नहीं जीता? सच में वही जीता है जो परोपकार के लिए जीता है।

(3) परोपकारशून्यस्य धिङ् मनुष्यस्य जीवितम्।
जीवन्तु पशवो येषां चर्माप्युपकरिष्यति ॥

Fie on the life of a person devoid of helping others; better those animals whose very skin will be of use.

हिन्दी: परोपकार से रहित मनुष्य के जीवन को धिक्कार है; वे पशु अच्छे हैं जिनका चमड़ा भी काम आता है।

(4) भवन्ति नम्रास्तरवः फलोद्गमैः नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम् ॥

Trees bend with fruit, clouds hang low with fresh water; good people stay humble in prosperity — such is the nature of benefactors.

हिन्दी: फलों से वृक्ष झुकते हैं, नए जल से बादल नीचे आते हैं; सज्जन समृद्धि में विनम्र रहते हैं — यही परोपकारियों का स्वभाव है।

(5) परोपकारः कर्तव्यः प्राणैरपि धनैरपि।
परोपकारजं पुण्यं न स्यात् क्रतुशतैरपि ॥

Help others even with life and wealth; the merit of helping others is not matched even by a hundred sacrifices.

हिन्दी: प्राण और धन से भी परोपकार करना चाहिए; परोपकार से मिलने वाला पुण्य सैकड़ों यज्ञों से भी नहीं मिलता।

NCERT Archive

(6) परोपकरणं येषां जागर्ति हृदये सताम् ।
नश्यन्ति विपदस्तेषां सम्पदः स्युः पदे पदे ॥

For those good people in whose hearts the urge to help others is awake, troubles vanish and wealth comes at every step.

हिन्दी: जिन सज्जनों के हृदय में परोपकार की भावना जागती है, उनकी विपत्तियाँ नष्ट होती हैं और पग-पग पर सम्पत्ति मिलती है ।

(7) सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ॥

May all be happy, may all be free from illness; may all see what is auspicious, may no one suffer.

हिन्दी: सब सुखी हों, सब निरोग हों, सब कल्याण देखें, कोई भी दुःख का भागी न बने ।

(8) अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

“This one is mine, that one a stranger” is the thinking of the small-minded; for the noble-hearted the whole world is one family.

हिन्दी: “यह अपना है, वह पराया” — यह छोटे मन वालों की गणना है; उदार चरित्र वालों के लिए तो सारी पृथ्वी ही परिवार है ।

(9) श्रूयतां धर्मसर्वस्वं श्रुत्वा चैवावधार्यताम् ।
आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत् ॥

Hear the essence of dharma and keep it in mind: do not do to others what is unpleasant to yourself.

हिन्दी: धर्म का सार सुनो और याद रखो: जो अपने प्रतिकूल हो, वह दूसरों के साथ न करो ।

(10) उपकारिषु यः साधुः साधुत्वे तस्य को गुणः ।
अपकारिषु यः साधुः स साधुः सद्भिरुच्यते ॥

What virtue is there in being good to those who help you? He who is good even to those who harm him is called good by the wise.

हिन्दी: उपकारी के प्रति भला होने में क्या विशेषता? जो अपकार करने वालों के प्रति भी भला रहे, उसे सज्जन साधु कहते हैं ।

A sample collection of ten subhāṣitas on paropakāra (helping others); students may collect any ten from books or the internet.

हिन्दी: ये परोपकार-विषयक दस सुभाषितों का एक नमूना-संग्रह है; विद्यार्थी पुस्तकों या अन्तर्जाल से अपने दस सुभाषित भी संग्रह कर सकते हैं ।

NCERT Archive